गोलू गुप्ता के 8 साल : श्वेता हुई भावुक

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में अपने मशहूर किरदार गोलू गुप्ता के साथ अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव के बारे में बात की.

श्वेता त्रिपाठी पिछले आठ सालों से इस किरदार को निभा रही हैं और उनका कहना है कि गोलू अब सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि उनकी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है. यह सफर उन्हें व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही रूप से बदलने वाला रहा है.जब मिर्ज़ापुर का पहला सीज़न आया था, तब दर्शकों ने गजगामिनी 'गोलू' गुप्ता को एक शांत, समझदार और किताबों से प्यार करने वाली कॉलेज लड़की के रूप में देखा था, जो अपने आसपास के शोर-शराबे से दूर रहना पसंद करती थी.

पहले सीज़न में ही दर्शकों और समीक्षकों ने इस किरदार की खासियत को पहचान लिया था. कई समीक्षाओं में श्वेता त्रिपाठी के अभिनय की तारीफ की गई और कहा गया कि उन्होंने गोलू के किरदार में गहराई और सच्चाई लाई. जहां बाकी किरदार ताकत दिखाने के लिए हिंसा का सहारा लेते थे, वहीं गोलू की ताकत उसकी समझ, सोच और भावनात्मक मज़बूति में थी. दर्शकों को यह भी पसंद आया कि यह किरदार एक अलग तरह की ताकत दिखाता है, जो ज्ञान और साफ सोच से आती है.जैसे-जैसे सिरीज़ आगे बढ़ी, दर्शकों ने गोलू को एक साधारण, पढ़ाकू लड़की से एक मज़बूत और रणनीतिक सोच वाली महिला बनते देखा. धीरे-धीरे वह 'गोलू दीदी' के रूप में उभरी, जो मिर्ज़ापुर की सबसे पसंदीदा और दमदार किरदारों में से एक बन गई

श्वेता त्रिपाठी ने कहा कि यह अनुभव आज भी उन्हें भावुक कर देता है.श्वेता त्रिपाठी ने कहा, 'यह बताना मुश्किल है कि गोलू मेरे लिए क्या मायने रखती है, क्योंकि वह करीब आठ साल से मेरी ज़िंदगी का हिस्सा रही है. जब मैंने पहली बार यह किरदार निभाना शुरू किया था, तब वह एक शांत और समझदार लड़की थी, जिसे किताबों और ज्ञान पर बहुत भरोसा था. समय के साथ हमने उसे बढ़ते, बदलते और मज़बूत होते देखा.

नया शो 'हुई गुम यादें – एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ

सोनी सब पर नया शो 'हुई गुम यादें – एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ' 06 अप्रैल रात 8 बजे से शुरू होगा.

यह शो विश्वभर में सराही गई इटैलियन ड्रामा डीओसी(डॉक) – नेल्ले तुए मानी से रूपांतरित है. इस शो में मशहूर कलाकार इक़बाल खान, गुलकी जोशी और सृष्टि सिंह की अहम भूमिका है. कहानी के केंद्र में है डॉ. देव मेहता, जिसे निभा इक़बाल खान निभा रहे हैं. जबकि गुलकी जोशी सृष्टि का किरदार निभा रही हैं. वह देव की पूर्व पत्नी है. इक़बाल ख़ान ने कहा कि अभिनेता के तौर पर हम हमेशा ऐसे रोल्स ढूंढते हैं जो हमें चुनौती दें. लेकिन डॉ. देव मेहता का किरदार सिर्फ़ चुनौती नहीं है, बल्कि यह इंसानी जज़्बे का आईना है. आठ साल की यादें खोकर अपनी ज़िंदगी को फिर से बनाना सिर्फ़ मेडिकल कहानी नहीं है, बल्कि यह पहचान, प्यार और दूसरे मौक़े की गहरी भावनात्मक यात्रा है.

नेहा धूपिया बोलीं : मैं 'ट्रेटर' का हिस्सा नहीं

अभिनेत्री नेहा धूपिया ने करण जौहर के रियलिटी शो ट्रेटर से जुड़े अपने नाम को लेकर चल रही सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है.

नेहा धूपिया ने सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का संदेश साझा किया, जिसमें लिखा था, 'न मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'मासूम', मैं तो बस #डबल डेट में व्यस्त हूं. जल्द आ रहा है,' इस तरह उन्होंने सभी अफवाहों को साफ कर दिया.हालांकि उनके इस संदेश ने लोगों के बीच नई उत्सुकता भी पैदा कर दी है. कई लोगों का मानना है कि यह 'डबल डेट' दरअसल उनके अपने आने वाले टॉक शो की ओर इशारा है, जो इंटरनेट मंच पर प्रसारित हो सकता है.

पिछले कुछ दिनों में नेहा, अपने पति अंगद बेदी के साथ कई चर्चित जोड़ों के साथ नज़र आई हैं, जिनमें तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा, रिया चक्रवर्ती अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ, और रकुल प्रीत सिंह एवं जैकी भगनानी शामिल हैं. दिलचस्प बात यह रही कि इन सभी ने 'डबल डेट' का ज़िक्र किया.

नेहा धूपिया के करीबी सूत्र ने बताया, 'नेहा का यह संदेश एक स्मार्ट और हल्का तरीका है अफवाहों का जवाब देने का, साथ ही वह जिस नए काम पर काम कर रही हैं, उसके लिए उत्सुकता भी बढ़ा रहा है. 'डबल डेट' कोई संयोग नहीं है, हाल ही में उनके कई चर्चित जोड़ों के साथ दिखने में एक पैटर्न नज़र आ रहा है. यह उनका अंदाज़ है बिना ज़्यादा बताए एक घोषणा करने का, और इसने लोगों के बीच चर्चा जरूर बढ़ा दी है.'

सितारों ने जताई अपनी श्रद्धा और भक्ति

राम नवमी एक ऐसा त्यौहार है जो आस्था, भक्ति और सच्चाई की जीत का एहसास दिलाता है. देशभर में लोग इसे पूरे विश्वास और खुशी के साथ मनाते हैं. भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्म के रूप में मनाया जाने वाला ये दिन सच, कर्तव्य, करुणा और ईमानदारी जैसे मूल्यों की याद दिलाता है. भगवान राम को एक आदर्श इंसान माना जाता है, जिनका जीवन आज भी लोगों को सही राह दिखाता है. उनकी सादगी, हिम्मत और अपने धर्म पर टिके रहने की सीख हर पीढ़ी को प्रेरित करती है. चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन मनाया जाने वाला ये त्यौहार व्रत, मंदिर दर्शन और रामायण के पाठ के साथ मनाया जाता है. अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर के बाद इस त्यौहार की अहमियत और भी बढ़ गई है.

जी कुटुंब अवॉर्ड्स ने मनाया भारतीय परिवारों का जश्न

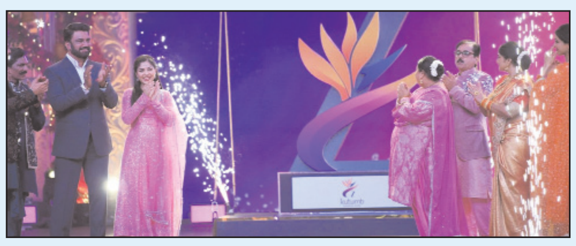

ज़ी टीवी हिंदी जीईसी स्पेस में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला चैनल बनकर उभरा है. मार्च 2025 से मार्च 2026 के बीच इस चैनल ने प्रभावशाली 51 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की है. ज़ी टीवी लगातार पांच महीनों से कोर प्राइम टाइम में नंबर 1 चैनल बना हुआ है. शाम 8 बजे से रात 10 बजे तक के चार लगातार स्लॉट्स में भी ज़ी टीवी ने स्लॉट लीडरशिप हासिल की है. ये आंकड़े साफ दिखाते हैं कि ज़ी टीवी की कहानियों का देशभर के दर्शकों से कितना मजबूत रिश्ता है. हाल ही में आयोजित ज़ी कुटुंब अवॉर्ड्स के जरिए ज़ी टीवी ने आकांक्षी भारत की उस भावना का जश्न मनाया है जो सपनों की ताकत पर भरोसा करती है और उन्हें सच करने का हौसला भी रखती है. ज़ी टीवी के किरदार भी इसी नए नजरिये और आत्मविश्वास को दर्शाते हैं, जो आज के भारत की पहचान बनता जा रहा है. भारत की असली भावना समुदाय की उस गर्माहट में भी बसती है. जहां पड़ोसी भी परिवार का हिस्सा बन जाते हैं.

कलाकारों ने थिएटर को दिया सम्मान

रंगमंच या थिएटर लंबे समय से कई सफल कलाकारों की नींव रहा है, जहां उनकी कला, अनुशासन और अभिनय की गहराई को आकार मिलता है. वर्ल्ड थिएटर डे के अवसर पर एण्डटीवी के उन कलाकारों ने, जिन्होंने थिएटर से टेलीविजन तक का सफर तय किया है, अपने अनुभव साझा किए. उन्होंने बताया कि किस तरह मंच ने उन्हें अभिनय के लिए तैयार किया, उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और आज भी थिएटर उनके काम को कैसे प्रभावित करता है. इन कलाकारों में बृज भूषण शुक्ला ('घरवाली पेड़वाली' के सुरेश पांडे) और आसिफ शेख (भाबीजी घर पर हैं 2.0' के विभूति नारायण मिश्रा) शामिल हैं.

'स्टॉर्म' में नजर आएगी पार्वती

अभिनेत्री पार्वती ,ऋतिक रोशन निर्मित वेबसीरीज 'स्टॉर्म' में नज़र आएगी.

फिल्म 'स्टॉर्म' के साथ ऋतिक रोशन पहली बार स्ट्रीमिंग दुनिया में प्रोड्यूसर के तौर पर कदम रख रहे हैं. इस फिल्म में पार्वती की अहम भूमिका होगी.

पार्वती ने कहा, 'प्राइम वीडियो का हिस्सा बनना अपने आप में एक ज़िम्मेदारी लेकर आता है. यहां एक बहुत बड़ा और अलग-अलग तरह का ऑडियंस जुड़ा हुआ है, इसलिए कहानी को ईमानदार और साथ ही सभी के लिए जुड़ने लायक बनाना ज़रूरी है, बिना उसकी असलियत खोए.

ऋतिक रोशन का इस प्रोजेक्ट के साथ प्रोड्यूसर के रूप में आना हमारे लिए सम्मान की बात है. यहाँ कहानी कहने में एक साफ भरोसा दिखता है,जो रिस्क लेने से नहीं डरता. और जब प्रोड्यूसर्स ऐसी कहानियों को सपोर्ट करते हैं जो तयशुदा ढर्रे पर नहीं चलतीं, तब एक्टर्स को भी किरदार की गहराई में जाने की आज़ादी मिलती है. मेरे जैसे कलाकार के लिए, जो चैलेंज और ऑथेंटिसिटी पर जीते हैं, यह सपोर्ट बहुत मायने रखता है.

राजामौली ने रचा वाराणसी का भव्य सेट

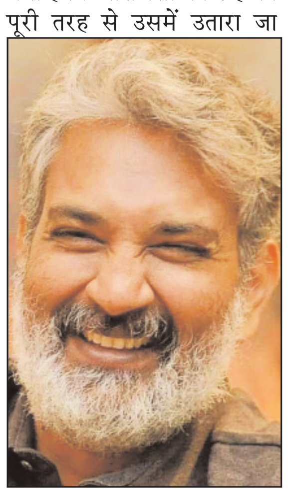

फिल्मकार एस. एस. राजामौली ने अपनी आने वाली फिल्म 'वाराणसी' के लिए हैदराबाद में आलीशान सेट बनाया है. फिल्म वाराणसी में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं.

अभी इस फिल्म का प्रोडक्शन चल रहा है और यह हैदराबाद में लगाए गए शानदार सेटों के लिए खूब सुर्खियां बटोर रही है, जहाँ बड़े पैमाने पर वाराणसी की झलक को फिर से बनाया गया है. प्रतिष्ठित मंदिरों और आलीशान महलों के डिजाइन से लेकर बारीक से बारीक बनावट तक, ये सेट वाराणसी से इतने मिलते-जुलते हैं कि कोई भी यह महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि वे साक्षात उसी पवित्र शहर के बीचों-बीच खड़े हैं. घाटों, मंदिरों और वहाँ के माहौल को इतनी बारीकी से डिजाइन किया गया है कि वाराणसी की रूह को पूरी तरह से उसमें उतारा जा सके, जिससे ये सेट एकदम असली नजर आ रहे हैं.

धुरंधर 2 ने तोड़े कमाई रिकॉर्ड

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है. निर्देशक आदित्य धर की इस स्पाई एक्शन फिल्म ने रिलीज के महज छह दिनों में दुनियाभर में 937 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. इसी के साथ यह भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गई है.

फिल्म ने अपनी रिलीज के बाद से ही जबरदस्त रफ्तार पकड़ी हुई है. छठे दिन तक भारत में इसका शुद्ध संग्रह 575.67 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि कुल सकल कमाई 687 करोड़ रुपये से अधिक रही.

दुनियाभर में फिल्म का कुल कलेक्शन 937 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है, जो इसे इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल करता है.

आमतौर पर फिल्मों की कमाई सप्ताह के दिनों में गिरती है, लेकिन धुरंधर 2 ने इस ट्रेंड को तोड़ दिया है. मंगलवार को फिल्म ने भारत में करीब 56 करोड़

रुपये की कमाई की, जो दर्शाता है कि दर्शकों का उत्साह अभी भी बरकरार है. बुधवार को भी फिल्म ने शाम तक 20 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लिया, जिससे साफ है कि इसकी रफ्तार थमने वाली नहीं है.

एआई कंपनियों में फंड की जंग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में इस समय ओपनएआई और एंथ्रोपिक के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है. दोनों कंपनियां बड़े निवेशकों को आकर्षित करने और अपने उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा कंपनियों तक पहुंचाने की होड़ में लगी हुई हैं. हाल ही में सामने आई जानकारी के अनुसार, ओपएआई ने निजी इक्विटी फर्मों को आकर्षित करने के लिए बेहद आकर्षक प्रस्ताव पेश किया है.

ओपनएआई निवेशकों को प्रेफर्ड इक्विटी हिस्सेदारी के साथ न्यूनतम 17.5 प्रतिशत रिटर्न की गारंटी दे रहा है, जो आम तौर पर मिलने वाले रिटर्न से काफी ज्यादा है. इसके अलावा कंपनी अपने नए कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल्स तक जल्दी पहुंच का भी ऑफर दे रही है. इस रणनीति का मकसद बड़े निवेशकों को जोड़कर अपने एंटरप्राइज कारोबार को तेजी से बढ़ाना है.

वहीं, एंथ्रोपिक भी इसी दिशा में काम कर रहा है, लेकिन उसके प्रस्ताव में इस तरह का निश्चित रिटर्न शामिल नहीं है. दोनों कंपनियां निजी इक्विटी फर्मों के साथ संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) बनाकर सैकड़ों कंपनियों में अपने एआई टूल्स लागू करना चाहती हैं. इससे न केवल इनकी तकनीक का इस्तेमाल बढ़ेगा, बल्कि ग्राहक लंबे समय तक जुड़े भी रहेंगे.

विशेषज्ञों का मानना है कि एक बार किसी कंपनी में कस्टमाइज्ड एआई सिस्टम लागू हो जाता है, तो उसे बदलना मुश्किल हो जाता है. यही वजह है कि दोनों कंपनियां तेजी से बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं. यह रणनीति भविष्य में संभावित सार्वजनिक निर्गम को भी मजबूत आधार दे सकती है. हालांकि, कुछ निवेशकों ने इन प्रस्तावों को लेकर चिंता भी जताई है. उनका कहना है कि पहले से ही बड़ी कंपनियों को एआई टूल्स की पहुंच है, ऐसे में इस तरह के निवेश से अतिरिक्त लाभ सीमित हो सकता है. साथ ही, मुनाफे और लचीलापन को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं. इसके बावजूद, ओपनएआई को उम्मीद है कि उसका संयुक्त उद्यम मॉडल लाभदायक साबित होगा. कंपनी सेवा शुल्क, उत्पादों से होने वाली आय और नए उत्पादों में साझेदारी के जरिए कमाई करने की योजना बना रही है.

रहस्यमयी धूमकेतु का टूटना

हबल अंतरिक्ष दूरबीन ने खोले नए राज

हाल ही में अंतरिक्ष अनुसंधान में एक दिलचस्प और रहस्यमयी घटना सामने आई है, जब एक धूमकेतु के टूटने की प्रक्रिया को बेहद करीब से देखा गया. यह उपलब्धि हबल अंतरिक्ष दूरबीन की मदद से संभव हो पाई, जिसने वैज्ञानिकों को सौरमंडल के इतिहास को समझने का एक नया अवसर दिया.

अलबामा के ऑबर्न विश्वविद्यालय से जुड़े वैज्ञानिक जॉन नूनन और उनकी टीम पहले एक दूसरे धूमकेतु का अध्ययन करने की योजना बना रहे थे, लेकिन तकनीकी सीमाओं के कारण वे ऐसा नहीं कर सके. इसके बाद उन्होंने अपना ध्यान एक नए धूमकेतु, सी/2025 के1 (एटलस) की ओर केंद्रित किया.

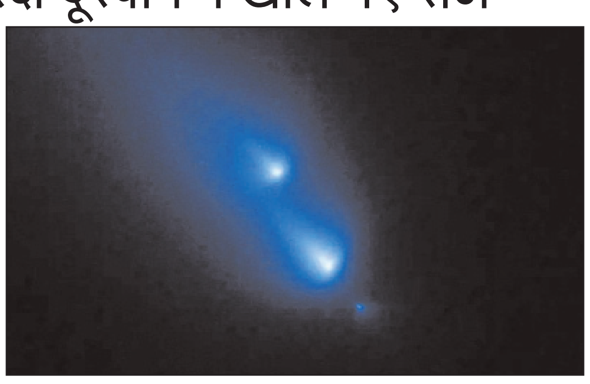

जब हबल अंतरिक्ष दूरबीन को इस धूमकेतु की ओर घुमाया गया, तो वैज्ञानिकों को चौंकाने वाला दृश्य देखने को मिला. एक अकेले धूमकेतु की जगह, उन्हें उसके चार अलग-अलग टुकड़े नजर आए. यह संकेत था कि यह धूमकेतु कुछ ही दिन पहले टूटकर बिखरा है.

धूमकेतु का इस तरह टूटना बहुत दुर्लभ होता है, और इसे वास्तविक समय के करीब देख पाना और भी कठिन है. यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि धूमकेतु सौरमंडल के शुरुआती समय के अवशेष माने जाते हैं. इनके अध्ययन से यह समझने में मदद मिलती है कि अरबों साल पहले ग्रहों और अन्य खगोलीय

हालांकि, यह अब भी एक रहस्य बना हुआ है कि यह धूमकेतु आखिर क्यों टूटा. वैज्ञानिकों का मानना है कि तापमान में बदलाव, सूर्य के गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव या आंतरिक दबाव इसके पीछे कारण हो सकते हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला है. यह घटना न केवल वैज्ञानिकों के लिए रोमांचक है, बल्कि यह अंतरिक्ष के अनसुलझे रहस्यों की ओर भी इशारा करती है. आने वाले समय में इस तरह की और खोजें हमें ब्रह्मांड के गहरे रहस्यों को समझने में मदद कर सकती हैं.

टीबी पर नई रिसर्च का बड़ा खुलासा

हाल ही में टीबी को लेकर हुए नए शोध में ऐसे अहम खुलासे सामने आए हैं, जो इस खतरनाक बीमारी से लड़ने की दिशा बदल सकते हैं. वैज्ञानिकों ने पाया है कि टीबी का बैक्टीरिया माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस सिर्फ शरीर पर हमला नहीं करता, बल्कि खुद को लगातार बदलकर लंबे समय तक जीवित रहने की क्षमता रखता है.

शोध के अनुसार, इस बैक्टीरिया की बाहरी परत (मेम्ब्रेन) स्थिर नहीं होती, बल्कि यह समय के साथ बदलती रहती है. यह लिपिड (वसा) से बनी परत बैक्टीरिया को शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली से छिपने और एंटीबायोटिक दवाओं के असर से बचने में मदद करती है. यही कारण है कि टीबी का संक्रमण कई सालों तक शरीर में छिपा रह सकता है. आईआईटी बॉम्बे की वैज्ञानिक शोभना कपूर की टीम ने एक नई तकनीक विकसित की है, जिससे बिना महंगे उपकरणों के बैक्टीरिया की सक्रिय और निष्क्रिय अवस्था का पता लगाया जा सकता है. यह तकनीक लिक्विड क्रिस्टल आधारित है और इसकी खास बात यह है कि इसका परिणाम मोबाइल फोन से भी देखा जा सकता है. इससे कम संसाधनों वाले क्षेत्रों में भी टीबी की पहचान आसान हो सकती है. शोध में यह भी सामने आया है कि बैक्टीरिया शरीर की कोशिकाओं को अपने अनुसार बदल देता है. यह कोशिकाओं की संरचना को इस तरह प्रभावित करता है कि बैक्टीरिया आसानी से अंदर प्रवेश कर सके और जीवित रह सके. यानी यह केवल हमला नहीं करता, बल्कि शरीर को अपने लिए अनुकूल बना देता है.

दूसरी ओर, वैज्ञानिकों ने पाया कि बैक्टीरिया के अंदर भी एक जटिल नियंत्रण प्रणाली होती है.

7000 एमएएच बैटरी वाला रियलमी 5जी फोन

टेक्नोलॉजी जगत में एक बार फिर हलचल मचाते हुए रियलमी ने अपना नया स्मार्टफोन रियलमी पी4 लाइट 5जी बाजार में उतार दिया है. खास बात यह है कि इस फोन की बिक्री शुरू हो गई है और कम कीमत में दमदार फीचर्स मिलने की वजह से यह उपभोक्ताओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है.

कंपनी ने इस डिवाइस को अपनी पी सीरीज के तहत पेश किया है. फोन की शुरुआती कीमत 12,999 रुपये रखी गई है, जो ऑफर्स के बाद घटकर 11,499 रुपये तक आ जाती है. ग्राहक इसे रियलमी की आधिकारिक वेबसाइट और ऑफलाइन रिटेल स्टोर से खरीद सकते हैं. यह फोन मोज़ेक ब्लू और मोज़ेक ग्रीन रंगों में उपलब्ध है.

अगर फीचर्स की बात करें तो रियलमी पी4 लाइट 5जी में 6.8 इंच की बड़ी एचडी प्लस डिस्प्ले दी गई है, जो 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ आती है. इससे स्क्रीन पर स्क्रॉलिंग और गेमिंग का अनुभव काफी स्मूद हो जाता है. फोन में 900 निट्स तक की ब्राइटनेस भी मिलती है, जिससे धूप में भी स्क्रीन साफ दिखाई देती है.

इस डिवाइस में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर दिया गया है, जो फोन को तेज और स्मूद परफॉर्मेंस देने में मदद करता है. साथ ही इसमें 6 जीबी तक एलपीडीडीआर4एक्स रैम और 128 जीबी तक यूएफएस 2.2 स्टोरेज दी गई है. खास बात यह है कि वर्चुअल रैम फीचर की मदद से रैम को 14 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है.

बैटरी इस फोन की सबसे बड़ी खासियत है. इसमें 7000 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जो लंबे समय तक चलने का दावा करती है. साथ ही 15 वॉट वायर्ड चार्जिंग सपोर्ट भी मिलता है. फोटोग्राफी के लिए फोन में 13 मेगापिक्सल का एआई सपोर्टेड रियर कैमरा और 5 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है. इसके अलावा यह डिवाइस आईपी64 रेटिंग और मिलिट्री ग्रेड शॉक रेसिस्टेंस के साथ आता है, जिससे यह धूल, पानी और हल्के झटकों से सुरक्षित रहता है. कुल मिलाकर, कम कीमत में बड़ी बैटरी, तेज प्रोसेसर और शानदार डिस्प्ले के साथ यह फोन बजट सेगमेंट में एक मजबूत विकल्प बनकर उभरा है.